[This question paper contains 04 printed pages]
[इस प्रश्न पत्र में 04 मुद्रित पृष्ठ हैं]

Himachal Pradesh Administrative Service Combined Competitive (Main / Written) Examination, 2020

हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य / लिखित) परीक्षा, 2020

HINDI (COMPULSORY)
हिंदी (अनिवार्य)

Time allowed: Three Hours | Maximum Marks: 100
निर्धारित समय: तीन घंटे | अधिकत्तम अंक: 100

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS
प्रश्न पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

1. There are FIVE questions and all questions are to be attempted.
   इसमें पांच प्रश्न हैं और सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।
2. The number of marks carried by a question / part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने अंकित हैं।
3. Write answers in legible handwriting.
   सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखें।
4. Answers must be written in HINDI unless otherwise directed in the question.
   उत्तर हिन्दी में ही लिखे जाएंगे, यदि किसी प्रश्न विशेष में अन्यथा निर्दिष्ट न हो।
5. Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
   जिन प्रश्नों के सम्बन्ध में अधिकतम शब्द संख्या निर्धारित है, वहां इसका अनुपालन किया जाना चाहिये।
6. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिये।
7. Re-evaluation / Re-checking of Question-cum-Answer Booklet of the candidate is not allowed.
   अभ्यर्थी की प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

---

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 350 (तीन सौ पचास) शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए: (30)

   (i) कोविड – 19 के वैश्विक प्रभाव

   (ii) आनलाइन शिक्षा : चुनौतियाँ और संभावनाएँ

   (iii) भारतीय आर्थिक विकास में डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान

2. (क) निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिये: (10)

   Our freedom struggle was deeply committed to the idea of democracy. Our leaders were conscious of the critical role of politics in any democracy. They did not see politics as a problem; they saw it as a way of solving the problems. Every society needs to decide how it will govern and regulate itself. There are always different policy alternatives to choose from. There are different groups with different and conflicting aspirations. How do we resolve these differences? Democratic politics is an answer to this question. While competition and power are the two most visible things about politics, the purpose of political activity is and should be deciding and pursuing public interest. This is the route our leaders decided to take.

   (ख) निम्नलिखित हिंदी गद्यांश का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिये: (10)

   वैश्वीकरण एक बहुआयामी अवधारणा है। इसके राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अवतार हैं और इनके बीच ठीक-ठाक भेद किया जाना चाहिए। यह मान लेना गलत है कि वैश्वीकरण केवल आर्थिक परिघटना है। ठीक इसी तरह यह मान लेना भी भूल होगी कि वैश्वीकरण एकदम सांस्कृतिक परिघटना है। वैश्वीकरण का प्रभाव बड़ा विषम रहा है - यह कुछ समाजों को बाकियों की अपेक्षा और समाज के एक हिस्से को बाकी हिस्सों की अपेक्षा ज्यादा प्रभावित कर रहा है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि विशिष्ट संदर्भों पर पर्याप्त ध्यान दिए बिना हम वैश्वीकरण के प्रभाव के बारे में सर्व - सामान्य निष्कर्ष निकालने से परहेज करें।

3. (क) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिये: (10)

   प्रकृति की प्रच्छन्नता को जीत,
   सिंधु से आकाश तक सबको किये भयभीत;
   सृष्टि को निज बुद्धि से करता हुआ परिमेय,
   चीरता परमाणु की सत्ता असीम, अजेय,
   बुद्धि के पवमान में उड़ता हुआ असहाय,
   जा रहा तू किस दिशा की ओर को निरुपाय?
   लक्ष्य क्या है? उद्देश्य क्या? क्या अर्थ?

यह नहीं यदि ज्ञात, तो विज्ञान का श्रम व्यर्थ।

(ख) निम्नलिखित गद्यांश की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिये: (10)

अवधूतों के मुहं से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत - कुछ शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक। कालिदास भी जरूर अनासक्त योगी रहे होंगे। शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी प्रकार के अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है। जो कवि अनासक्त नहीं रह सका, जो फक्कड़ नहीं बन स्का, जो किए - कराए का लेखा - जोखा मिलाने में उलझ गया, वह भी क्या कवि है। शिरीष भी अवधूत है। यह वायुमण्डल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना।

4. (क) निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों के अर्थ लिखते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिये: (04)

(i) चंदन विष व्यापै नहीं लिपटे रहत भुजंग

(ii) न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी

(iii) आँख की पुतली होना

(iv) गढ़ फतह करना

(ख) निम्नलिखित के संधि विच्छेद कीजिये: (04)

(i) परमेश्वर

(ii) रसायन

(iii) सूर्योदय

(iv) नाविक

(v) गीतांजलि

(vi) अधोगति

(vii) दिवसावसान

(viii) देहातीत

(ग) निम्नलिखित के उपसर्ग और प्रत्यय बताइए: (04)

<u>उपसर्ग</u>

(i) अलंकार

(ii) अध्यापक

(iii) दुर्लभ

(iv) प्रतीक्षा

<u>प्रत्यय</u>

(i) मानसिक

(ii) भिड़ंत

(iii) गवैया

(iv) बैठक

(घ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक - एक शब्द लिखिए: (04)

(i) जो देखने योग्य हो

(ii) जो व्यतीत हो गया हो

(iii) धरती और आकाश के बीच का स्थान

(iv) पीछे - पीछे चलने वाला

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए: (04)

(i) तिरिस्कार

(ii) अशीरवाद

(iii) कुमुदनी

(iv) अकासमीक

(v) निस्वारथ

(vi) तीलान्जलि

(vii) एछिक

(viii) महातमय

(च) समान दिखने वाले निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए: (04)

(i) अक्ष, अक्षि

(ii) निर्माण, निर्वाण

(iii) अभिराम, अविराम

(iv) कृपण, कृपाण

5. यथानिर्देश उत्तर दें: (06)

(i) 'अन्नजल' और 'कपीश्वर' में कौन से समास हैं?

(ii) 'सुभद्राकुमारी चौहान बड़ी जीवंत कवि थीं।" वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए।

(iii) 'श्रृंगार' और 'अद्‌भुत' रसों के स्थाई भाव लिखें।

(iv) 'यमुना" और 'वरदान' शब्दों के दो - दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(v) 'कपूत' और 'कंगन' शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

(vi) 'नश्वर' और 'ज्येष्ठ' शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

*****